

# कचरे के ढेर में पड़े सुरक्षित हवाई यात्रा के वादे

जिस एयरपोर्ट पर देश में सबसे अधिक बर्ड हिटिंग की घटनाएं, उसी के एक किमी के दायरे में लगा रहता है कूड़े का ढेर

गौतम कुमार मिश्रा • जागरण

नई दिल्ली : विमान यात्रा को सुरक्षित बनाने में एयरपोर्ट के आसपास की स्थितियां भी महत्वपूर्ण होती हैं। यहां छोटी सी लापरवाही भी जानलेवा हादसे का कारण बन सकती है। लेकिन हम फिर भी एयरपोर्ट और उसके आसपास के प्रतिबंधित क्षेत्र में लापरवाही को खुद ही बुलावा देते हैं। अहमदाबाद विमान हादसे के समय देशभर में बर्ड हिटिंग वाली घटनाओं की एक सूची जारी हुई थी जिसमें सर्वाधिक घटनाएं आइजीआइ एयरपोर्ट पर ही होती हैं। इसका कारण साफ है यहां नियमों का पालन नहीं किया जाता। नगर निगम जैसी एजेंसियां जानबूझकर ऐसे सुरक्षित क्षेत्र के आसपास भी जिम्मेदारी निर्वहन में लापरवाही बरतती हैं।

वायुयान अधिनियम 1937 की धारा 91 के अनुसार एयरपोर्ट के आसपास 10 किलोमीटर के दायरे में खुले में कचरा डालना या ऐसी कोई भी गतिविधि जो परिदों को आकर्षित करती हो, इसपर प्रतिबंध लगाती है। लेकिन, देश के सबसे बड़े एयरपोर्ट आइजीआइ के आसपास की जमीनी स्थिति देखें तो हर जगह इसकी अवहेलना हो रही है। जगह-जगह कूड़े के ढेर भी हैं, जलभराव वाला इलाका भी है, मछली की दुकानें भी हैं। यहां कभी भी विमान से पक्षी के टकराने के कारण हादसा हो सकता है। इस वर्ष भी आइजीआइ एयरपोर्ट पर जून तक 40 बार विमान से पक्षी टकरा चुके हैं, ये तो गनीमत रही कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई। हाई कोर्ट तक भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण, दिल्ली सरकार, नगर निगम और प्रदूषण नियंत्रण



द्वारका के अलग अलग हिस्सों से लाकर द्वारका सेक्टर-10 में लगाया जाता है टिकाने और यहां पक्षी मंडराते रहते हैं • जागरण



चूंकि एयरपोर्ट पर लैंड करने के लिए विमान द्वारका क्षेत्र में बहुत नीचे होते हैं। ऐसे में पक्षियों के टकराने का खतरा अधिक रहता है • जागरण आर्काइव

**695** सर्वाधिक बर्ड हिटिंग के मामले दिल्ली एयरपोर्ट पर हुए हैं पूरे देश में

**10** किमी के दायरे में खुले में कचरा डालना या पक्षियों को आकर्षित करने वाली गतिविधि पर है प्रतिबंध



मलेरिया अनुसंधान केंद्र के सामने ऐसे बिखरा रहता है कूड़ा • जागरण

समिति तक को इस संदर्भ में नोटिस दे चुका है।

**एयरपोर्ट से एक किमी दूरी पर ही दिखती है लापरवाही :** आइजीआइ से सटी उपनगरी द्वारका में करीब एक वर्ष पूर्व एयरपोर्ट अथारिटी आफ

इंडिया ने भारत वंदना पार्क में ऊंचे पिलर के निर्माण पर यह कहते हुए रोक लगा दी थी कि एप्रोच पाथ पर होने के कारण यह रास्ता वायुयानों के आने जाने का मार्ग है। यहां ऊंचे पिलर नहीं बनाए जा सकते हैं। बाद

**सचेत करने वाले बोर्ड के पास डल रहा कूड़ा**

एक जगह पुराना बोर्ड लगा था, यहां निगम ने कूड़ा घर खोल दिया है। इसके आसपास के इलाके में कूड़े का अंबार लगा है। कूड़े के ढेर में कभी भी आग लगा दी जाती है। सेक्टर आठ में ही मलेरिया अनुसंधान केंद्र के आसपास जगह जगह कचरे के ढेर नजर आते हैं। स्पष्ट है कि कचरे के इन ढेरों के प्रति न तो दिल्ली नगर निगम और न ही आइजीआइ एयरपोर्ट की संचालन एजेंसी डायल की नजर है।

में पिलर की ऊंचाई कम की गई। इसी उपनगरी में भारत वंदना पार्क व एयरपोर्ट की चारदीवारी के बीच कई ऐसे कई स्थान हैं, जो एप्रोच पाथ के अंतर्गत आते हैं, लेकिन वहां कूड़े को खुले में डाला जा रहा

**डायल ने किए ये उपाय**

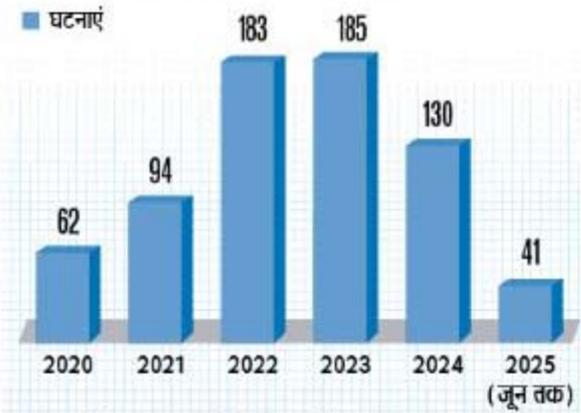
- बर्ड रिपेलेंट और चूड़ा नियंत्रण उपाय
- वैज्ञानिक और रेस्क्यू उपाय
- कीट और आवास प्रबंधन
- जैविक और रासायनिक नियंत्रण विधियां
- जागरूकता और सामुदायिक सहयोग

है। कुछ वर्ष पहले तक सेक्टर-8 व आसपास के इलाके में कई ऐसे बोर्ड नजर आते थे, जिसपर स्पष्ट लिखा रहता था कि यह स्थान वायुयानों के आने-जाने का मार्ग है। यहां कचरा या मांस-मछली के अवशेष नहीं

**6** यह सही है कि एयरपोर्ट के आसपास कूड़े के ढेर नहीं होने चाहिए। निगम इस मामले में सतर्कता बरतता है, लेकिन कुछ समय से वर्षों के कारण कूड़े के निष्पादन में दिक्कत हुई। अब सफाई अधीक्षक से बात करके स्थिति में सुधार लाया जाएगा। -**सविता शर्मा**, वेबरमैन, नजफगढ़ जॉन, दिल्ली नगर निगम

डालें। ऐसी चीजें परिदों को आकर्षित करती हैं, जिससे वायुयान के टकराने की आशंका रहती है। अब जगह जगह लगे ऐसे बोर्ड या तो हटा दिए गए या फिर इन्हें पोतकर मिटा दिए गए हैं।

**आइजीआइ एयरपोर्ट पर बर्ड हिटिंग**



**एयरपोर्ट पर कहां है चिंता की बात**

- 10 किलोमीटर के दायरे उपनगरी द्वारका, मटियाला, द्वारका मोड़, डाबड़ी मोड़, इंदिरा मार्केट आरकेपुरम में कूड़ा प्रबंधन को लेकर स्थिति सही नहीं।
- मटियाला, गोयला डेरी ऐसी जगह हैं जहां कूड़ा बीनने वाले कूड़े को एकत्र करने के बाद उसे जरूरत के हिसाब से अलग करते हैं।
- डेरी के आसपास जलभराव एक बड़ी समस्या, इलाके में खुले नाले भी।
- इंदिरा मार्केट आरकेपुरम में मांस मछली की दुकानें नाले के टीक किनारे पर।



# Corporate Communications Directorate

DAINIK NAVJOYTI

JAIPUR

13 SEPTEMBER 2025

## जयपुर एयरपोर्ट पर यात्रियों की संख्या में गिरावट अप्रैल, 2025 में 11.9 % यात्री घटे

नवज्योति, जयपुर। जयपुर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से यात्रियों का रुझान लगातार घटता जा रहा है। फ्लाइट्स की कमी और सुविधाओं के अभाव के कारण यात्री अब दूसरे विकल्प तलाशने लगे हैं। आंकड़ों के अनुसार अप्रैल से जुलाई, 2024 की तुलना में इसी अवधि में 2025 में यात्रीभार में 11.2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। अप्रैल, 2024 में जहाँ 4 लाख 56 हजार 621 यात्रियों ने जयपुर एयरपोर्ट से उड़ान भरी, वहीं अप्रैल, 2025 में यह संख्या 11.9 प्रतिशत घटकर 4 लाख 2 हजार 132 रह गई। मई, 2024 में 4 लाख 56 हजार 289 यात्री आए, जो मई 2025 में 13 प्रतिशत गिरावट के साथ घटकर 3 लाख 97 हजार 186 पर पहुँच गए। जून, 2024 में 4 लाख 48 हजार 406 यात्रियों की तुलना में जून, 2025 में केवल 4 लाख 06 हजार 107 यात्रियों ने यात्रा की, जो 9 प्रतिशत कम है। इसी तरह जुलाई 2024 के 4 लाख 68 हजार 288 यात्रियों की तुलना में जुलाई 2025 में 10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4 लाख 19 हजार 298 यात्री ही रहे।



PHOTOS COURTESY: NUDESIGN

SHAPING THE FUTURE

(Above) Lokpriya Gopinath Bordoloi International Airport in Guwahati; architect Nuru Karim

# 'Architecture is a continuous baton-passing exercise'

*Nuru Karim, whose firm won The International Architecture Award for the Guwahati International Airport, on creating cultural gateways and harvesting from Nature*

Shiny Varghese

**C**OMING FROM a family without an architectural legacy, when Nuru Karim said he wanted to pursue architecture, he was politely asked 'why'. Recently, his Mumbai-based firm, NUDES, won The International Architecture Awards for Lokpriya Gopinath Bordoloi International Airport (Guwahati International Airport).

For Karim, each project starts with an inquiry into "the culture, the climate, the people and the stories that shape a place." Though brief, his early stint at Zaha Hadid Architects brought to his work tools, not so much for style but for empowerment. "My experience in housing, sanitation and disaster mitigation have reinforced the belief that architecture must go beyond aesthetics or form-making. It must address complexity, diversity and resilience. Perhaps the provocation is whether we, as designers, can push architecture to truly become an agent of change," says the Architectural Association London graduate.

In this interview, Karim, 52, talks about the future of aviation architecture, why advocacy is important and what the vision of 'Mumbai 2050' can become if we work with water rather than against it. Excerpts:

**In the Guwahati airport, what made you choose bamboo?**

Airports are our first handshake with the world — a space where culture, climate responsiveness and innovation converge. India is undergoing a profound transformation in aviation architecture, fuelled by aggressive infrastructure expansion, visionary design and strategic economic integration. They are emerging as cultural and logistical landmarks, shaping not just travel but the future of Indian cities.

The Guwahati International Airport

(Terminal 2) serves as the principal aviation hub for the Northeast and stands among India's top 10 busiest airports, with nearly six million passengers annually. When we set out to design the terminal, our intent was to root the architecture in the ethos of Assam and the Northeast. Bamboo became an obvious choice, not just as a material but as a symbol. It embodies resilience, flexibility and deep connections with Assamese life and craft traditions. For us, it became a metaphor for the strength and spirit of the people of the region. In that sense, T2 isn't just an airport terminal. It is a cultural gateway, a living museum of the Northeast's traditions expressed in a contemporary idiom, welcoming travellers with a sense of place.

**Your projects — the People's Tower, Bookworm Pavilion and the Rain Water Catcher — are all about harvesting natural resources and making the most of parametric tools. How does parametric design (an algorithm-based technique) inform your projects?**

For us, parametric design is about performance. At the studio, we use computational tools as a way to engage directly with data — climate conditions, material behaviour, structural efficiency and resource management. These projects have emerged from this approach, where form was driven by research and performance criteria rather than aesthetics alone.

Parametric workflows allow us to iterate rapidly, test multiple scenarios and optimise design outcomes — be it harvesting rainwater, controlling daylight or minimising material waste.

In that sense, parametric design becomes a bridge between intent and execution, enabling us to create architecture that is contextual, sustainable and future-ready.

**As an architect who works in Mumbai, what can some of the urban solutions for the city be?**

Water remembers the past. Mumbai was once seven islands stitched together through centuries of reclamation. Yet every monsoon, the floodwaters return to trace those ghost lines, reminding us that the city's foundation is hydrological, not cartographic. For too long, the monsoon has been a paradox — life-giving and yet feared. Streets flood, trains stop and the city holds its breath. But what if that changed? What if the rains were something we looked forward to, a season of renewal rather than disruption?

A vision for Mumbai 2050 begins here: by working with water instead of resisting it

— restored mangroves, blue-green corridors, shaded walkways and cycling paths. Public life could anchor itself in common grounds — *maidans*, parks, plazas and waterfronts that absorb excess water while giving people space to gather. Circular construction could turn debris into building material, while participatory platforms would give citizens a direct role in shaping their neighbourhoods.

**Do you think advocacy should be part of architectural practice?**

Architecture, at its core, is about people and place. This could mean drawing attention to issues like housing, migration, climate resilience or infrastructure gaps — areas where design thinking can add real value. Advocacy, in this sense, becomes part of practice, not as an external gesture but as a natural extension of our responsibility to society. The challenge is to also generate conversations, frameworks and prototypes that address systemic urban concerns.

**Each story, each project changes us. How do you see your design journey through your projects?**

I see each project as a moment in time, and together these moments form a body of work. For example, the Bookworm Pavilion (in the gardens of the Chhatrapati Shivaji Maharaj Vastu Sangrahalaya, Mumbai) was about access to knowledge in a public, playful space; the Rainwater Catcher (proposal for an iconic tower in California) questioned how design can directly respond to survival and ecology; and the Guwahati International Airport scaled those ideas up, exploring how culture, sustainability and technology can converge to shape infrastructure that serves millions.

Each of these projects is part of a larger narrative about resilience, equity and coexistence. Architecture, in that sense, is a continuous baton-passing exercise. Every generation contributes ideas that move the spiral forward, adding layers of meaning, memory and innovation. Civilisations are built not on isolated works but on stories and questions that flow across centuries.



## Corporate Communications Directorate

ASIAN AGE

DELHI

13 SEPTEMBER 2025

### ■ Full emergency declared at Mumbai airport SpiceJet flight loses wheel after take off, lands safely in Mumbai

**BHAGWAN PARAB**  
MUMBAI, SEPT. 12

A full emergency was declared at Chhatrapati Shivaji Maharaj International Airport in Mumbai on Friday after a SpiceJet Bombardier Q400 aircraft carrying 75 passengers reportedly lost one of its wheels during takeoff from Kandla in Gujarat.

While fire tenders and rescue teams were placed on high alert at Mumbai airport, the aircraft landed safely.

Videos surfaced on social media purportedly capturing the wheel falling off shortly after takeoff. A video of the wheel falling off was captured by a passenger on the flight. "The wheel has fallen, he could be heard saying repeatedly in the video as the wheel detaches from the plane just as it is about to take off.

According to CSMIA, the aircraft landed safely on Runway 27 and all passengers and crew are safe.

▶ A MISSING wheel could result in the aircraft veering off the runway at the time of landing which was likely prevented because of skilfull piloting

▶ The wheel that fell off was among the two on the right side of the aircraft

"Despite the serious mid-air scare, the aircraft taxied to the terminal on its own and passengers disembarked without any untoward incident," a Mumbai airport official said.

Flight operations at the Mumbai airport faced brief disruptions due to the emergency. Normal operations resumed shortly after. CSMIA confirmed in a statement that a full emergency was declared after it received information about the affected flight. "An aircraft from Kandla made an emergency landing at Chhatrapati Shivaji Maharaj International Airport (CSMIA) at 15:51 hrs on 12 September 2025

after reporting a technical issue. A full emergency was declared as a precaution," the statement read.

A SpiceJet spokesperson stated, "On September 12, an outer wheel of a SpiceJet Q400 aircraft operating from Kandla to Mumbai was found at the runway after take-off.

The aircraft continued its journey to Mumbai and landed safely. Following a smooth landing, the aircraft taxied to the terminal under its own power, and all passengers disembarked normally."

The wheel that fell off was among the two on the right side of the aircraft. A missing wheel could result in the aircraft veering off the runway at the time of landing which was likely prevented because of skilfull piloting.

A missing wheel can compromise the aircraft's stability and control on touchdown, increasing the chances of the aircraft veering off the runway.



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण  
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

# Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA

DELHI

14 SEPTEMBER 2025

जलवायु परिवर्तन

वैश्विक तापमान बढ़ने के साथ 35,000 फीट ऊंचाई पर बहने वाली जेट स्ट्रीम और अस्थिर होंगी

## आसमान में हवाई जहाजों को लगेंगे तेज झटके, बढ़ेगा जोखिम

अमर उजाला नेटवर्क

नई दिल्ली। जलवायु परिवर्तन के चलते हवाई जहाजों को गंभीर टर्बुलेंस (अशांत हवाओं के झटके) का सामना पहले से कहीं ज्यादा करना पड़ेगा। इससे यात्रियों की सुरक्षा प्रभावित होगी और एयरलाइंस को अपने परिचालन ढांचे और तकनीक में बड़े बदलाव करने होंगे।

यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग (ब्रिटेन) के शोधकर्ताओं का यह अध्ययन जर्नल ऑफ द एटमोस्फेरिक साइंसेज में प्रकाशित हुआ है। शोध में दावा किया गया है कि जैसे-जैसे वैश्विक तापमान बढ़ेगा, 35,000 फीट की ऊंचाई पर बहने वाली जेट स्ट्रीम और अस्थिर हो जाएंगी और इसकी वजह से एअर टर्बुलेंस के कारण तेज झटके लगेंगे। इस अस्थिरता से विमान की ऊंचाई अचानक बदल सकती है, जिससे यात्रियों को जोरदार झटके लगते हैं। कई



फाइल फोटो

बार यात्री सीट से ऊपर उछल सकते हैं और गंभीर चोटें लग सकती हैं। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि सबसे गंभीर परिदृश्य में 2050 तक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन दोगुना होने की आशंका है और 2100 तक औसत वैश्विक तापमान 4.4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। इसका असर उत्तरी और दक्षिणी दोनों गोलार्धों में उड़ने वाले विमानों पर पड़ेगा और यात्रियों को कई बार बेहद असामान्य झटकों का सामना करना पड़ेगा।

नई तकनीक  
अपनाने की जरूरत

अध्ययन करने वाले प्रोफेसर पॉल विलियम्स का कहना है कि हाल के वर्षों में टर्बुलेंस के कारण यात्रियों को गंभीर चोटें आई हैं और कुछ मामलों में मौतें भी हुई हैं। पायलटों को अधिक समय तक सीटबेल्ट संकेत चालू रखने और उड़ानों के दौरान केबिन सर्विस रोकनी पड़ सकती है। एयरलाइंस को

अब नई तकनीक अपनाने की जरूरत है जो टर्बुलेंस को पहले से पहचान सके।

### गंभीर टर्बुलेंस की परिभाषा

जब विमान का ऊपर-नीचे झटका शरीर पर 1.5 जी-फोर्स से अधिक दबाव डालता है तो उसे गंभीर टर्बुलेंस माना जाता है। यह ताकत इतनी ज्यादा होती है कि बिना सीटबेल्ट वाला यात्री सीट से ऊपर उछल सकता है। मौतें भले ही कम होती हैं, लेकिन गंभीर चोटें यह बताती हैं कि विमानों की सुरक्षा के लिए अब इंजीनियरिंग आधारित समाधान जरूरी हैं। जी-फोर्स किसी वस्तु या शरीर पर लगने वाले गुरुत्वाकर्षण बल का माप है। सामान्य स्थिति में जब हम जमीन पर खड़े होते हैं, तब हम 1जी का गुरुत्वाकर्षण बल अनुभव करते हैं।

अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) पहले ही एयरलाइंस को चेतावनी दे चुका है कि उड़ानों में टर्बुलेंस की घटनाएं बढ़ रही हैं। अब यह संस्था एयरलाइंस को टर्बुलेंस मैपिंग टेक्नोलॉजी और पायलट

### वैश्विक एविएशन इंडस्ट्री की प्रतिक्रिया

प्रशिक्षण पर अधिक ध्यान देने की सलाह दे सकती है। यूरोपियन यूनियन एविएशन सेफ्टी एजेंसी (ईएएसए) ने अपने हालिया दिशा-निर्देशों में कहा है कि बदलते मौसम पैटर्न को देखते हुए विमानों की डिजाइन और सुरक्षा मानकों को और मजबूत बनाने की जरूरत है।



# Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA

DELHI

14 SEPTEMBER 2025

## अहमदाबाद हादसा पीड़ितों को शुरुआती भुगतान पर्याप्त नहीं पीड़ितों के अमेरिकी वकील एंड्रयूज ने जताई चिंता

अलबामा। अहमदाबाद विमान हादसे में पीड़ित परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाले अमेरिकी वकील माइक एंड्रयूज ने चिंता जताते हुए कहा कि पीड़ितों के सामने पेश की गई शुरुआती मुआवजा राशि पर्याप्त नहीं है। उन्होंने यह भी दावा किया कि बोर्डिंग के विमान निर्माण में भी खामी हो सकती है, जिसकी जांच की जा रही है।

एंड्रयूज ने बताया कि उनकी फर्म वर्तमान में लगभग 110 पीड़ितों के परिवारों का प्रतिनिधित्व कर रही है, जिनमें एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 171 के यात्री और जमीन पर मारे गए लोग शामिल हैं। उन्होंने खास बातचीत में कहा कि उनकी टीम विशेषज्ञों के साथ काम कर रही है और उन दस्तावेज की समीक्षा कर रही है जो इस घातक दुर्घटना के

एएआईवी की रिपोर्ट पर खड़े किए सवाल : भारतीय विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने 12 जून की दुर्घटना के तुरंत बाद अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट जारी कर दी थी, लेकिन एंड्रयूज ने आरोप लगाया कि इसके निष्कर्षों ने उत्तरों से ज्यादा सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जांच की गति बोर्डिंग के पहले के मामलों जैसी ही लग रही थी।

कारणों पर प्रकाश डाल सकते हैं। एंड्रयूज ने कहा, हम अपने विशेषज्ञों के साथ काम करना जारी रखे हुए हैं, दस्तावेज इकट्ठा कर रहे हैं और उन लोगों से बात कर रहे हैं जिनके बारे में हमें लगता है कि उनके पास हमारी जांच में मददगार जानकारी हो सकती है। एजेंसी



**भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण**  
**AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA**

# Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU

DELHI

14 SEPTEMBER 2025

## फ्लाई 9 1 सितम्बर की बुकिंग पर सुविधा शुल्क माफ करेगी

पणजी। क्षेत्रीय विमान सेवा कंपनी फ्लाई 9 1 ने सितंबर महीने में उसकी वेबसाइट से कराई गई सभी बुकिंग पर सुविधा शुल्क माफ करने की घोषणा की है। कंपनी ने शनिवार को बताया कि इस ऑफर में यात्रा की तारीख को लेकर कोई बंदिश नहीं होगी और 30 सितंबर तक कराई गई सभी बुकिंग पर यह लागू होगी। फ्लाई 9 1 के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज चाको ने कहा कि इस महीने बुकिंग पर सुविधा शुल्क माफ करने से लोगों को वास्तव में वचत होगी। फ्लाई 9 1 का मुख्यालय गोवा में है। वह वर्तमान में गोवा के अलावा पुणे, सिंधुदुर्ग, जलगांव, सोलापुर, हैदराबाद, बेंगलुरु और अगस्ती से उड़ानों का परिचालन करती है। उसके बेड़े में एटीआर 72-600 विमान हैं।



## SPICEJET AIRCRAFT LOSES WHEEL MIDAIR

**BHAGWAN PARAB | DC**  
MUMBAI, SEPT. 12

A full emergency was declared at Chhatrapati Shivaji Maharaj International Airport (CSMIA) in Mumbai on Friday after a SpiceJet Bombardier Q400 aircraft carrying 75 passengers reportedly lost one of its wheels during takeoff from Kandla in Gujarat. While fire tenders and rescue teams were placed on high alert at Mumbai airport, the aircraft landed safely. Videos surfaced on social media purportedly capturing the wheel falling off shortly after takeoff. A video of the wheel falling off was captured by a passenger on the flight.

“The wheel has fallen, he could be heard saying repeatedly in the video as the wheel detaches from the plane just as it is about to take off.

According to CSMIA, the aircraft landed safely on Runway 27 and all passengers and crew are safe.



# Corporate Communications Directorate

DECCAN HERALD

BANGLORE

13 SEPTEMBER 2025

## SpiceJet plane loses wheel after take-off, lands safely

**MUMBAI, PTI:** In a major scare, a SpiceJet Q400 plane's wheel fell off after take-off from Kandla airport on Friday and the aircraft with 75 people onboard made an emergency landing at Mumbai airport, according to officials.

The aircraft landed safely at 3.51 pm and all passengers and crew are safe, Mumbai airport operator MIAL said.

Operations at the airport were briefly impacted.

"On September 12, an outer wheel of a SpiceJet Q400 aircraft operating from Kandla to Mumbai was found at the runway after take-off. The aircraft continued its journey to Mumbai and landed safely," the airline said in a statement.

One of the officials said that one rear right wheel of the aircraft was missing.

An Air Traffic Controller (ATC) at the Kandla airport informed the SpiceJet pilot that one of the wheels of the aircraft had fallen off after take-off, one of the officials said.

Subsequently, a full emergency was declared for the aircraft operating the flight SG2906.

"Fortunately, the aircraft's landing gear was retracting because of which it was able to land safely," the official said.



# Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL

MUMBAI

13 SEPTEMBER 2025

## SpiceJet plane drops a wheel, lands safely in Mumbai

**Dhairya Gajara**  
MUMBAI

A full emergency was declared at Mumbai Airport for an incoming SpiceJet flight that had dropped one of its main wheels at Kandla Airport during take-off. The pilots made a safe emergency landing at Chhatrapati Shivaji

Maharaj International Airport (CSMIA) with only three main wheels.

On Friday, the SpiceJet flight SG-2906 departed from Kandla for Mumbai. The turboprop aircraft Q400, officially named the De Havilland Dash 8-400, is equipped with two front wheels and four rear wheels, the landing gear,



one of which fell on the runway during take-off.

According to sources, the

Air Traffic Control (ATC) observed the wheel on the tarmac and informed the pilots about it. However, the pilot decided to continue the journey to Mumbai, where a full emergency was declared. However, the pilots skilfully landed the aircraft at 3.51pm. While all the passengers and crew disembarked safely, the

aircraft was sent for a full check-up and the airlines has started an internal enquiry into the incident, sources told the FPJ.

"The aircraft landed safely on Runway 27, and all passengers and crew are safe. Normal operations resumed shortly after," said a CSMIA spokesperson.



## Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN

DELHI

13 SEPTEMBER 2025

# पानी का रिसाव अहमदाबाद विमान हादसे की वजह

## दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अहमदाबाद एयर इंडिया विमान हादसे में अमेरिकी अटॉर्नी माइक एंड्रयूज ने फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (एफडीआर) मुहैया कराने की मांग की है। दावा है विमान के पोटैबल वाटर सिस्टम से पानी का रिसाव होने के कारण शॉर्ट सर्किट हुआ जिससे विमान में आग लगी और हादसा हुआ।

- अमेरिकी अटॉर्नी माइक एंड्रयूज ने एफएए को आधार बनाया
- विमान का एफडीआर मुहैया कराने की मांग की

माइक एंड्रयूज का दावा है कि पानी के रिसाव के कारण हुए शॉर्ट सर्किट से विमान के फ्यूज कंट्रोल स्विच ऑटोमेटिक बंद हो गए। इसके बाद विमान गिर गया। इस पूरे घटनाक्रम में क्रू सदस्यों की कोई गलती नहीं है। माइक ने ये दावा अमेरिकी विमानन एजेंसी फेडरल एविएशन

एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) के बोइंग मॉडल के लिए जारी कुछ दिशा-निर्देशों के आधार पर किया है। माइक का कहना है कि बोइंग-787-8 ड्रीमलाइनर जो हादसे का शिकार हुआ उस मॉडल को लेकर एफएए ने चेतावनी जारी की थी। 14 मई को जारी चेतावनी में एजेंसी ने पानी के रिसाव से

जुड़ी कई रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा था कि इससे विमान की नियंत्रण प्रणाली को नुकसान संभव है।

रिपोर्ट में सुझाव दिया था कि विमान के सीट ट्रेक की निरंतर निगरानी की जाए और विमान के उपकरण वाले हिस्सों में पानी को जाने से रोकने के जरूरी इंतजाम किए जाएं। 12 जून को हुए हादसे में 260 लोगों की मौत हो गई थी। माइक ने सूचना के स्वतंत्रता अधिनियम के तहत ये मांग की है।

# Emirates marks 25 years of operations in Chennai, its 'cornerstone market'

**Murali N. Krishnaswamy**  
CHENNAI

On September 1, 2025, Emirates, the world's 'largest international airline', marked the silver jubilee of its air link with Chennai. What began on September 1, 2000, as a 174-seat Airbus A310-300 service – four flights a week and the carrier's third destination in India – has now expanded to a three flights a day, 400-plus seat all-Boeing 777-300ER service (currently, 21 flights a week). In October 1985, the airline launched its flights from Dubai to New Delhi and Mumbai, the foundation of its initial route network. It now flies to six more destinations – Ahmedabad, Kolkata, Hyderabad, Bengaluru, Kochi and Thiruvananthapuram. In an exclusive e-mail interview with *The Hindu*, Mohammad Sarhan, Vice-President - India and Nepal, Emirates, said the airline continues to support Chennai's expanding role in trade, technology, manufacturing and enterprise by offering the city's travellers, seamless global connections through its hub in Dubai, and access to new markets.

He said the key metrics were 10.7 million-plus passenger traffic between Dubai and Chennai, since 2000, on over 38,000 flights; 19,300 tonnes of cargo uplift from Chennai (in the last financial year), consisting of fresh fruit and vegetables, pharmaceuticals and general goods, and connectivity to the airline's network across six continents. Emirates SkyCargo, the airline's dedicat-



**Reaching out:** The airline supports the local community through its Foundation's partnership with CHES. SPECIAL ARRANGEMENT

ed air freight division, had facilitated the export of perishable goods and agricultural produce and the import of 16,400-plus tonnes of predominately general cargo and mixed foodstuff.

## Customer loyalty

Distinguishing itself by being the sole widebody operator on this route, he said the airline's 'continuous investment in enhancing products and services' is a step that has helped Emirates retain customer loyalty in a very competitive market. Passenger experience service innovations include Artificial Intelligence-enabled operational analytics and smarter disruption recovery.

Mr. Sarhan said Chennai continues to be a cornerstone market with a focus on business, leisure seekers, and a significant visiting friends and relatives (VFR) segment.

Some of the top outbound destinations from Chennai include San Francisco, New York, Chicago, Washington DC, Dallas, Boston, Seattle, Paris, London, Manchester and Frankfurt. He said Emirates also supports 'strong

inbound flows' from the same key markets, in addition to Kuwait.

In a comparison of regional competitor airports (South India), he said that while Bengaluru and Hyderabad have grown rapidly with newer infrastructure and added capacity, which includes Airbus A380 operations in Bengaluru, Chennai has retained its strength with a large outbound base, robust trade activity and a growing preference for premium travel. The airline has also deepened its commitment to the local community through the Emirates Airline Foundation's partnership with the Community Health Education Society (CHES).

Together, they have established the Emirates-CHES Home, which cares for over 100 destitute youngsters, including HIV-positive children. Support includes care and medical support.

Mr. Sarhan said the airline remained hopeful that a review of the current bilateral air services agreement with India would allow the airline to better meet growing travel and cargo demand.

# Close shave for 75 people as wheel falls off SpiceJet flight

**Neha LM Tripathi**

letters@hindustantimes.com

**NEW DELHI:** One of the landing gear's wheels of a SpiceJet aircraft with 75 people on board detached as the jet departed from Kandla for its journey to Mumbai on Friday, triggering a full emergency at its destination where it eventually made a safe landing.

The wheel that separated was one of two on the right rear landing gear, and it came to light when the Kandla air traffic control spotted an object dropping from the plane immediately after take-off. Officials confirmed the fallen wheel and metal rings were later recovered from the runway.

"Kandla ATC saw something falling down immediately after the flight's departure. They then told the pilot and sent the ATC jeep to fetch the fallen item," an Airports Authority of India official said.

A video shot by one of the passengers on board shows the crucial moment, with the person recording it heard repeatedly exclaiming in disbelief: "wheel nikal gaya (the wheel has come off)".

At Mumbai, fire tenders and rescue teams waited on high alert as the flight, SG-2906, arrived. It landed safely on Runway 27 at 3:51 pm.

"An aircraft from Kandla made an emergency landing at Chhatrapati Shivaji Maharaj International Airport after reporting a



**The Kandla air traffic control found the wheel dropping from the plane after its take-off.**

technical issue. A full emergency was declared as a precaution. The aircraft landed safely on Runway 27, and all passengers and crew are safe. Normal operations resumed shortly after," a CSMA spokesperson said.

Airport operations were briefly impacted during the emergency response.

The plane involved was a Bombardier Q400, a jet typically used for short-distance regional flights. The flight duration from Kandla to Mumbai is of little over an hour.

An official who asked not to be named said the incident did not end in a more serious outcome because the wheel separated just as the plane lifted off the ground. "Fortunately, the landing gear was retracting because of which it was able to land safely," this person explained, asking not to be named.

SpiceJet confirmed the incident in a statement: "On September 12, an outer wheel of a SpiceJet Q400 aircraft operating from Kandla to Mumbai was found at the runway

after take-off. The aircraft continued its journey to Mumbai and landed safely. Following a smooth landing, the aircraft taxied to the terminal under its own power, and all passengers disembarked normally."

Aviation experts emphasised the seriousness of the incident while acknowledging the safety systems that prevented disaster.

"Wheel coming off is a serious incident but since the wheel assembly has two wheels, and one was attached it saved the day," a former Directorate General of Civil Aviation official said, asking not to be named. "But if one came out, the other could have come out too."

A former airline official, speaking anonymously, suggested the pilot's decision-making was sound: "This is a serious incident and that's why the pilot must have decided to land in Mumbai rather than landing back in Kandla. They must have thought that Mumbai is equipped with longer runway which is better to land at such difficult moments."

The incident adds to recent technical issues faced by SpiceJet aircraft. In July, a window frame of a SpiceJet aircraft operating from Goa to Pune came off mid-air during flight.

The airline has faced several operational challenges in recent months, raising questions about maintenance protocols and aircraft safety standards.



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण  
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

# Corporate Communications Directorate

MORNING STANDARD

DELHI

14 SEPTEMBER 2025



## EUROPE CALLING

Travelling to Europe from a tier-2 or tier-3 Indian city, might just become as economical as travelling from International airports like Delhi or Mumbai. On September 7, Air India announced its 'One India, One Fare', with the aim of offering attractive flight ticket fares for travellers flying to any Indian destination in Europe. The limited-period offer means that passengers who choose to travel with Air India's domestic network to Europe will have to pay the same flat price for a round-trip—whether they are flying from Jaipur or Delhi. Air India is offering a round-trip to Europe with: economy class at ₹47,000; premium economy class at ₹70,000 and business class at ₹1,40,000. When are you flying to Europe?



## Corporate Communications Directorate

---

PIONEER

LUCKNOW

13 SEPTEMBER 2025

---

### SPICEJET PLANE'S WHEEL FALLS OFF AFTER TAKE-OFF FROM KANDLA



In a major scare, a Mumbai-bound SpiceJet Q400 plane's wheel fell off after take-off from Kandla airport on Friday and the aircraft with 75 people onboard made an emergency landing here, according to officials. The aircraft landed safely at 3.51 pm and all passengers and crew are safe, Mumbai airport operator MIAL said. Operations at the airport were briefly impacted. The flight departed at 2.38 pm against the scheduled time of 1.25 pm from Kandla and landed in Mumbai at 3.51 pm, as per information available on flight tracking website [Flightradar24.Com](http://Flightradar24.Com).



**भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण**  
**AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA**

# **Corporate Communications Directorate**

STATESMEN

DELHI

13 SEPTEMBER 2025

## **SpiceJet flight loses outer wheel during take-off, lands safely in Mumbai**

### **AGENCIES**

*New Delhi, 12 September*

A SpiceJet flight operating from Kandla (Gujarat) to Mumbai lost an outer wheel during take-off but landed safely in Mumbai, the airline said on Friday. The Q400 aircraft lost the outer wheel after take-off from Kandla.

"On 12 Sept, an outer wheel of a SpiceJet aircraft operating from Kandla to Mumbai was found at the runway after take-off. The aircraft continued its journey to Mumbai & landed safely," an SpiceJet spokesperson said. Following a smooth landing, the aircraft taxied to the terminal under its own power, & all passengers disembarked normally, the airline added.

# Calcutta set to resume direct flight to Kathmandu

SUDESHNA BANERJEE

Calcutta: Nepal may be in the throes of unrest but Calcutta is set to resume its direct connection with the Himalayan capital next month.

Come October 2 and Buddha Air, which has the biggest domestic passenger share in Nepal, will take off from Kathmandu at 7am Nepal time to land in Calcutta in an hour and 45 minutes. The return flight from Calcutta is scheduled at 9.35am.

"Buddha Air is getting the final approval from the DGCA (Directorate General of Civil Aviation). The situation back home is expected to improve shortly, may be within this week. They will start services in October," said Jhakka Prasad Acharya, the consul general of Nepal in Calcutta.

The consulate general of Nepal, however, has cancelled the National Day reception on

September 20 for which invitations had gone out a fortnight ago. The event was supposed to mark the Constitution Day of Nepal, September 19, which commemorates the adoption of the Constitution of Nepal in 2015, which established the country as a federal democratic republic. "It is a critical situation, so what to do?" said Acharya, while confirming the news of the cancellation to **The Telegraph**.

He advised Indian visitors to "wait for some time before making their plans as the situation is not so good in Nepal and the border areas". Indians do not need a visa to travel to Nepal.

The last direct Calcutta connection was an Air India flight, which was stopped on October 1 when maintenance work at the Tribhuban International Airport reduced operation timings from round the clock to 12 hours.

Rupesh Joshi, marketing



An ATR 72, a model which will run on the Calcutta-Kathmandu sector

director of Buddha Air, is bullish about the Calcutta market. "Starting October 2, we will operate four weekly flights — on Sundays, Tuesdays, Thursdays and Saturdays," he messaged this correspondent from Kathmandu.

The Calcutta-Kathmandu route, he pointed out, "is very important for us as it connects two countries rich in culture and religion, making travel much easier compared to long journeys by road". Other than taking a flight via Delhi,

where Royal Nepal Airlines operates, Calcutta tourists had the option of flying to Bagdogra and cross the border by road to reach Bhadrapur in an hour and take another flight to Kathmandu.

"Currently, there are no direct flights on this sector, so restarting it will greatly benefit travellers," Joshi said.

Buddha Air had previously operated flights between Kathmandu and Calcutta in 2019, but they were later discontinued. "Since no direct flights

were available, we applied to resume this route a couple of months ago," he said. The carrier currently operates three weekly flights to Varanasi.

The company, Acharya pointed out, was supposed to start Calcutta operations on September 1. But the paperwork as well as securing the permits from the DGCA for the flight schedule took some time. Joshi said the slight delay worked in their favour as they can now wait out the period of uncertainty.

"But domestic and international flights have continued operating despite the recent unrest. Such situations have occurred before, and Nepal has always recovered quickly. Resuming KTM-CCU flights at this time will provide travellers with a reliable and convenient option to move between the two countries regardless of temporary challenges," the marketing director said.

Both Acharya and Joshi expressed confidence about a quick return to normalcy. "We remain optimistic about welcoming Diwali travellers from Calcutta and also expect steady tourism flows between both countries beyond the festive season," Joshi said. Booking is expected to start by Sunday, a city official of the airline said.

However, professionals in the travel and tourism segment feel the initial outbound passenger load can only be from the trading sector. "It will take time for Indian tourists to gather confidence. The wound is fresh. The assurance has to come from their government about safety and security. For that, the government has to be in place there," said Manav Soni, chairman, Tourism Council, Travel Agents Association of India, while pointing to the possibility of inbound traffic for work and medical treatment in India.

# Corporate Communications Directorate

TRIBUNE

DELHI

13 SEPTEMBER 2025

## Air services to Jaipur start from Hisar airport

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, SEPTEMBER 12

Chief Minister Nayab Singh Saini inaugurated air services from the Maharaja Agrasen Airport in Hisar to Jaipur via virtual mode from Chandigarh today. This is the fourth destination which has been connected to Hisar via air service after Ayodhya, Chandigarh and Delhi.

While virtually flagging off the new service, the Chief Minister said this is a major step towards the state's development, regional inclusion and modern connectivity. "Haryana's growing presence in civil aviation will serve as the foundation for a self-reliant, progressive and inclusive future," he said.

The Chief Minister stated that alongside being an agriculture-based state, Haryana is now establishing its identity in civil aviation. "Since 2014, the government has focused on development of aviation sector," Saini said.



CM Nayab Singh Saini virtually inaugurates the Hisar-Jaipur air service in Chandigarh on Friday.

Prime Minister Narendra Modi inaugurated flights from Hisar to Ayodhya and also laid the foundation stone for the airport's second terminal building on April 14. Hisar-Chandigarh flights were launched on June 9. Officials said that service to Ahmedabad and Jammu would soon begin.

Hisar airport has been upgraded with modern facilities in collaboration with the Airports Authority of India. The installation of Doppler VOR has reduced minimum visibility requirements for flight operations from 5,000m to 2,800m, enabling smooth operations

even in adverse weather, said a district spokesperson and added that an Instrument Landing System (ILS) is also being set up to allow night landings.

The Chief Minister added that the government is committed to developing Maharaja Agrasen Airport into a modern, international-level facility with a new terminal, ATC tower, cargo complex, fire station, parking and more, making Hisar an alternative to Delhi airport in the coming years.

Hisar town will also evolve as an air service, industrial, logistics and investment hub. On August 28, 2024,

Hisar was included in the Amritsar-Kolkata Industrial Corridor and on August 20, 2025, agreements were signed for an Integrated Manufacturing Cluster over 2,988 acres at an estimated cost of Rs 4,680 crore, expected to generate 1.25 lakh jobs and link Haryana to both the Eastern and Western Dedicated Freight Corridors.

Public Works (PWD) Minister Ranbir Gangwa, Principal Secretary to the CM Arun Kumar Gupta, Civil Aviation Secretary Amneet P Kumar, Adviser Narhari Singh Bangar and senior officers were present on the occasion.